

सामान्य अधिकार पत्र

स्टाम्प संख्या

स्टाम्प क्रमांक दिनांक

यह है कि

मैं/हम.....
.....

..... अचल
सम्पति कृषि भूमि

स्थान----- तहसील---- जिला----- (राज्य) ---- व जायदाद स्थित स्थान

खेवट/खतौनी/खसरा न0 ----- तादादी--- कनाल---- मरला/विघा--- बिस्वा का--- कुल हिस्सा क्षेत्रफल ---
कनाल---मरला/बिघा--- बिस्वा---- वर्ग गज---- वर्गमीटर स्थित गांव/शहर----- हदबस्त न0---
तहसील---जिला----- जमाबन्दी वर्ष -----तहसील

---- जिला----- का मालिक व काबिज हूं / है । जिसकी बावत इन्तकाल व प्रबन्ध आदि करने

मे असमर्थ हूं क्योंकि मैं/हम बाहर रहता हूं/रहते हैं । इसलिये इन्तकाल व प्रबन्ध करने मे असमर्थ है ।
इसलिये वह अपनी तरफ से लेख लिखा लेने वाले को अपना सामान्य अधिकारी (मुख्त्यार आम) नियुक्त
करते हैं । उसको निम्नलिखित कार्यों को करने हेतु अधिकार प्रदान किए जाते हैं । वह उक्त लेख लिखा

देने की तरफ से कार्य अपनी उपस्थिति व अपने हस्ताक्षरों से सम्पादित कर सकेगा । लेख लिख देने वाले की सम्पत्ति पर जो भी हक, हिस्सा व अधिकार हैं, को लेख में सम्पत्ति संबोधित किया जा रहा है ।

1. उक्त सम्पत्ति की देख रेख व व्यवस्था करना, उक्त पर आरोपित कर की अदायगी करना किसी प्रकार की आपत्ति होने पर उक्त का प्रतिनिधित्व व पैरवी करना ।

2. उक्त सम्पत्ति या उसके किसी हिस्से को किराये पर या अन्य रूप से किसी को प्रदान करना,

कब्जा वापिस प्राप्त करना व इस सम्बन्ध में समस्त कार्य सम्पादित करना ।

3. उक्त सम्पत्ति या उनके हिस्से को बिक्री करने- बन्धक रखे जाने, पट्टा पर देने, तकसीम कराने, दान देने की कार्यवाही करना, प्रतिफल प्राप्त करना व रसीद प्रदान करना, आवश्यक दस्तावेज का निष्पादन करना व पंजीयन कार्यालय में पंजीयन कराना, अधिपत्य प्रदान करना व राजस्व अभिलेखों में दुरुस्ती के सम्बन्ध में क्रेता को सहयोग प्रदान करना ।

4. उक्त सम्पत्ति या उसके हिस्से को केन्द्रीय या प्रान्तीय सरकार, अधीनस्थ विभाग, अर्द्धशासकीय संस्था, निर्गमित निकाय या अन्य द्वारा अधिग्रहित किये जाने पर आवश्यक दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करना , मुआवजा की राशि प्राप्त करना, मुआवजा निर्धारण पर आपत्ति होने की स्थिति में उक्त के समुचित निर्धारण हेतु समस्त वैधानिक कार्यवाही व पैरवी करना ।

5. उक्त सम्पत्ति से प्राप्त होने वाली धनराशि के सम्बन्ध में किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक में खाता खोलना,

उक्त का संचालन करना व अपने हस्ताक्षर से चेक या आहरण पत्र द्वारा रकम आहरण करना ।

6. उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में विवाद उत्पन्न होने की स्थिति में आवश्यक वैधानिक कार्यवाही करना, भारत के समस्त न्यायालयों व कार्यालयों में प्रतिनिधित्व व पैरवी करना, राजीनामा करना, प्रकरण वापिस प्राप्त करना व इस सम्बन्ध में समस्त कार्य करना ।

7. उक्त सम्पत्ति या उसके हिस्से पर नियमानुसार कार्यवाही का निर्माण कार्य कराना, बिजली, दूरभाष कनेक्शन प्राप्त करना, आवेदन पत्र प्रस्तुत करना, अनुबन्ध निष्पादित करना, सुरक्षा धन जमा करना, वापिसी योग्य धन वापिस प्राप्त करना व आवश्यक कार्य करना । किसी स्टाम्प की खरीद करना

तथा रिफण्ड कराना, चैक, ड्राफ्ट, रिफण्ड वाउचर वगैरा प्राप्त करके उसका रूपया किसी बैंक या खजाना सरकार से हर प्रकार से प्राप्त करना तथा जो भी आवश्यक कार्यवाही करनी जरूरी हो सब अमल में लाना।

8. उक्त सम्पत्ति का विभाजन कराये जाने की स्थिति में समस्त आवश्यक कार्यवाही करना।

9. उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में शासकीय, गैर शासकीय विभाग या अन्य से पत्र व्यवहार करना, पत्रों को उत्तर देना । हमारे कागजात पर हर प्रकार से हस्ताक्षर करना तथा कार्यवाही हर प्रकार से करना ।

10. यह है कि अधिकारों में से किसी एक अधिक या समस्त को प्रदान करते हुए किसी अन्य के पक्ष में अधिकार पत्र प्रदान करना ।

11. यह है कि सरकार से एक्वायर शुदा भूमि की बावत मुआवजा की राशि प्राप्त करे । अपीलार्थ हर

प्रकार से हर न्यायालय वगैरा में हर प्रकार से कार्यवाही करे और बढ़े हुए मुआवजा की राशि हर प्रकार से बजरिये चैक, ड्राफ्ट, रिफण्ड वाउचर वगैरा की मारफत हर प्रकार से प्राप्त करे । रसीदात हर प्रकार से देवें । लेख लिखने वाले के नाम पर कोई सम्पत्ति भारत के किसी भी क्षेत्र में खरीद करे या उसको हर प्रकार से रहन-बैय-हिब्बा व किसी भी तरीके से हस्तान्तरण करे और प्रतिफल किसी भी प्रकार से प्राप्त करके रसीद आदि हर प्रकार से देवें ।

यह है कि सामान्य अधिकार पत्र में कोई अन्य अधिकार देने से रह गये हो तो वे अधिकार भी मेरे मुख्त्यार आम उक्त को प्राप्त होंगे । वे सब हमारे जैसे किये हुए होंगे और मुझको/हम को हर प्रकार से स्वीकार होंगे । मुख्त्यार आम हम सब की तरफ से एक एक की तरफ जैसी भी स्थिति हो कार्यवाही कर सकता है ।

यह है कि मुख्त्यार आम द्वारा किया गया उक्त कार्य लेख लिख देने वाले की तरफ से किया गया समझा जायेगा । जिस हेतू वह पूर्ण रूप से जिम्मेदार व दायित्वाधीन रहेगा । अतः अपने स्वस्थचित में

यह मुखत्यार नामा आम (सामान्य अधिकार पत्र) का लेख लिख दिया है जिस पर बिना किसी दबाव के स्वेच्छापूर्वक गवाहों के समक्ष दिनांक ----- को स्थान----- के अपने हस्ताक्षर कर दिये कि प्रमाण रहे ।

अनुसूचि

खेवट/खतौनी/खसरा न० ----- तादादी--- कनाल---- मरला/बिघा--- बिस्वा का--- कुल हिस्सा क्षेत्रफल ---
कनाल---मरला/बिघा--- बिस्वा---- वर्ग गज---- वर्गमीटर स्थित गांव/शहर----- हदबस्त न०----
तहसील----जिला----- जमाबन्दी वर्ष -----

निष्पादन कर्ता

साक्षी (1)

साक्षी (2)

जिसके हक में निष्पादित किया